दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 11 जनवरी 2022 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 105

महत्वपूर्ण एवं खास

गोवा बीच टापू फंसे 2 पर्यटकों को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला

ऋषिकेश (आरएनएस)। लक्ष्मणझूला थाना क्षेत्र में गोवा बीच के पास अपराह्न तीन बजे अचानक गंगा का जलस्तर बढ़ने से अंबाला के दो पर्यटक टापू में फंस गए। चारों और पानी से घिरने पर चीख पुकार मच गई। सूचना पर जल पुलिस के जवानों ने रेस्क्यू कर टापू में फंसे दोनों पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाला। लक्ष्मणझूला थाना पुलिस के मुताबिक अंबाला निवासी गौरव शर्मा (27) पुत्र राजेंद्र शर्मा अपनी महिला मित्र अमनदीप कौर 27 पुत्री अमरदीप सोमवार को लक्ष्मणझूला क्षेत्र में घूमने आए थे। इस दौरान वे दोपहर के वक्त गोवा बीच के पास टहलने के पहुंच गए। अपराह्न तीन बजे गंगा का जलस्तर बढ़ गया। देखते ही देखते वे दोनों गंगा के बीच चारों ओर से टापू में फंस गए। चीख पुकार मचने पर जल पुलिस मौके पहुंची। कुछ ही देर में रेस्क्यू कर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। उपनिरीक्षक संदीप कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण वे लोग टापू में फंस गए थे।

गोवा के मंत्री माइकल लोबो ने दिया इस्तीफा

पणजी (आरएनएस)। गोवा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश के मंत्री माइकल लोबो ने मंत्री पद और विधायकी से इस्तीफा दे दिया है। लोबो के कांग्रेस का हाथ थामने की संभावना है। अपने इस्तीफे के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह पार्टी के कामकाज से नाराज हैं। हालांकि, उन्होंने अपने फैसले के लिए केंद्र या राज्य के किसभी भी नेताओं को दोष नहीं दिया। उन्होंने कहा, मैं अपने साथ हो रहे व्यवहार से परेशान था। जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की अंदेखी होती है। मैंने अपनी आंखों से देखा है, कानों से सुना है। पार्टी इतनी बड़ी हो गई है कि उसे अब जमीनी कार्यकर्ताओं के योगदान का कद्र नहीं है। कई लोग मेरे पास शिकायत करने आए थे। पार्टी में उतार-चढ़ाव होते हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं की अनदेखी नहीं हो सकती है। लोबो ने कहा, मैं यह लंबे समय से कह रहा हूं लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं था। लेकिन मुझे लगा कि हमें दरकिनार कर दिया गया है। लोबो ने कहा कि वह कई राजनीतिक दलों के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन उनका भविष्य क्या है, इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। लोबो, प्रमोद सावंत कैबिनेट के अधिक मुखर सदस्यों में से एक थे। पार्टी से इस्तीफा देने वाले तीसरे ईसाई विधायक हैं। तीनों ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद से पार्टी ने एक अलग मोड़ लिया है।

कोरोना के डर से परिवार के 5 लोगों ने पी लिया जहर, मां-बेटे की मौत

मदुरै (आरएनएस)। तमिलनाडु में कोरोना के डर से एक मां ने अपने 3 साल के बेटे के साथ जहर पीकर जान दे दी। घटना मदुरै की है। महिला की उम्र 23 साल के करीब बताई जाती है। इस महिला के परिवार में कोरोना के डर से कुल 5 लोगों ने जहर पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। इनमें जान देने वाली महिला का भाई और मां भी शामिल है। तमिलनाडु पुलिस के अनुसार इनमें से 3 लोगों की जान तो बचा ली गई। लेकिन मां-बेटे को नहीं बचाया जा सका। मरने वाली महिला का नाम जोतिका बताया गया है। वह अपने पति से अलग हो चुकी थी। अपनी मां लक्ष्मी के साथ रह रही थी। जोतिका के पिता नागराज का दिसंबर में निधन हो गया था। इसके बाद से पूरा परिवार आर्थिक दबाव का सामना कर रहा था। बताया जाता है कि जोतिका आठ जनवरी को कोरोना से संक्रमित हुई थी। इसकी जानकारी जब उसने अपनी मां को दी। इससे वे बुरी तरह घबरा गई। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों ने जहर पी लिया। पड़ोसियों को अगले दिन इस बारे में पता चला। तब उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत सभी बीमारों को अस्पताल पहुंचाया। लेकिन जोतिका और उसके बेटे को नहीं बचाया जा सका। पुलिस के मुताबिक इस घटना के बाबत मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच चल रही है। उधर, तमिलनाडु के स्वास्थ्य विभाग ने भी आम लोगों के लिए मशविरा जारी किया है कि वे कोरोना के संक्रमण की वजह से घबराएं नहीं। किसी तरह का अनुचित कदम न उठाएं। इसके बजाय संक्रमण की आशंका होते ही तुरंत डॉक्टर और अस्पताल से संपर्क करें और इलाज कराएं। इसका इलाज संभव है। जल्द मेडिकल मदद लेने वाले लोग जल्दी ठीक भी हो रहे हैं।

भारत में स्वास्थ्यकर्मी, फ्रंटलाइन वर्कर्स और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोरोना की बूस्टर खुराक हुई शुरू

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना की नई लहर के बीच सोमवार से देश में स्वास्थ्यकर्मी, अंग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और वरिष्ठ नागरिकों को आज से तीसरी खुराक लग रही है. तीसरी खुराक के लिए कोविन पर नए रजिस्ट्रेशन या किसी डॉक्टरी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं.भारत में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. इस बीच सोमवार से स्वास्थ्यकर्मी, फ्रंटलाइन वर्कर्स और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कोरोना की बूस्टर खुराक शुरू हो गई. तीसरी डोज को एहितयाती डोज भी कहा जा रहा है. तीसरी खुराक ऐसे बुजुर्गों को दी जाएगी जिन्हें गंभीर रूप से बीमारी है. 60 के ऊपर वाले बुजुर्गों और सभी स्वास्थ्यकर्मियों को तीसरी डोज दी जाएगी.

दूसरी और तीसरी खुराक के बीच 39 हफ्ते का अंतर होना होगा. एक बात और अहम है कि जिस वैक्सीन की पहली दो डोज ली गई हैं, तीसरी खुराक भी उसी वैक्सीन की लगेगी. तीसरी खुराक के लिए सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं तीसरी खुराक के लिए कोविन पोर्टल पर नए रजिस्ट्रेशन या किसी डॉक्टर से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है. जो योग्य लोग हैं वे सीधे टीकाकरण केंद्र जाकर या ऑनलाइन अपाइंटमेंट ले सकते हैं. तीसरी लहर के खतरे के बीच बूस्टर डोज को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एहतियाती खुराक देने का ऐलान किया था. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक सोमवार से देश में एक करोड़ स्वास्थ्यकर्मी, तीन करोड़ अंग्रिम पंक्ति के कर्मचारी और 2.

7 करोड़ पहले से बीमार 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को कोरोना की वैक्सीन की एहतियाती खुराक मिलनी शुरू होगी. देश में अब 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र वालों का टीकाकरण अभियान चल रहा है. रविवार रात 8 बजे तक देश में 151.9 करोड़ वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी हैं. इस बीच रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने देश में कोविड-19 महामारी के हालात पर समीक्षा बैठक की. मोदी ने देश में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे और आपूर्ति व्यवस्था की चल रही तैयारियों, टीकाकरण अभियान की स्थिति और कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के प्रसार और इसके जन स्वास्थ्य प्रभाव की समीक्षा की. मोदी ने कहा कि राज्यों के हालात, तैयारियों और जन स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक बुलाई जाएगी.

कोरोना का कहर देश में कोरोना वायरस एक बार फिर बेलगाम होता जा रहा है. देश में बीते 24 घंटे में 1,79,723 नए मामले सामने आए और 146 मौतें हुई. सक्रिय मामलों की संख्या 7,23,619 तक पहुंच गई है. वहीं दैनिक पॉजिटिविटी दर 13.29 प्रतिशत हो गई है. ओमिक्रॉन के मामले 4,033 हो गए हैं.

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी कोरोना की चपेट में, खुद को घर में किया क्वारंटाइन

नई दिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोना पॉजिटिव पाये गये हैं, उन्होंने खुद इस संबंध में ट्वीट कर जानकारी दी है। वे होम कोरेंटिन हैं। राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा, मैं आज हल्के लक्षणों के साथ कोरोना पॉजिटिव पाया गया। मैं होम क्वारंटाइन में हूं। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूं जो हाल ही में मेरे संपर्क में आए हैं कि वे खुद को आइसोलेट कर लें और अपना टेस्ट कराएं। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोरोना के मामलों में तेजी देखी गई है। भारत में सोमवार को कोरोना वायरस बीमारी के 1,79,723 मामले दर्ज किए गए। सक्रिय मामलों की संख्या भी 700,000 का आंकड़ा पार कर गई है। ऐसा लग रहा है जैसे भारत कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर से गुजर रहा है क्योंकि वायरस राज्यों में तेजी से फैल रहा है, जिससे दैनिक संक्रमण में वृद्धि हो रही है। यह लगातार चौथा दिन है जब भारत में कोरोना के दैनिक मामले 1 लाख के पार आ रहे हैं। ओमिक्रॉन वैरिएंट की संख्या में भी वृद्धि हुई और अब यह 4,033 है, जिसमें महाराष्ट्र में संक्रमणों की अधिकतम संख्या (1,126) दर्ज की गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इसके बाद राजस्थान (529), दिल्ली (513), कर्नाटक (441) और केरल (333) का स्थान है। मंत्रालय ने 146 नई मौतों की भी सूचना दी, जिससे कुल मृत्यु का आंकड़ा 483,936 हो गया।

काशी में बाबा काल भैरव को पहनाई गई पुलिस यूनिफार्म

वाराणसी (आरएनएस)। वाराणसी में पहली बार काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव को पुलिस की वर्दी पहनाई गई। भगवान के सिर पर पुलिस टोपी, छाती पर एक ब्रॉच, बाएं हाथ में एक चांदी का डंडा और दाहिने हाथ में एक रजिस्टर, के साथ भगवान नए रूप में नजर आए।

काल भैरव के इस नए रूप की खबर फैलते ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

भक्तों ने कहा कि अगर बाबा रजिस्टर और कलम के साथ बैठे हैं, तो किसी की शिकायत अनसुनी नहीं होगी। वह महामारी संकट का भी ध्यान रखेंगे।

बाबा काल भैरव मंदिर के महंत अनिल दुबे ने कहा कि पहली बार भगवान को पुलिस की वर्दी पहनाई गई है।

उन्होंने कहा कि देशवासियों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने के लिए विशेष पूजा की गई है। बाबा से सभी पर दया करने का अनुरोध किया गया है। प्रदेश और देश में सुख-समृद्धि होने कि प्रार्थना की गई है। लोग स्वस्थ रहें और किसी को भी किसी भी तरह की समस्या का सामना ना करना पड़े। भक्तों का मानना है कि काल भैरव के कई रूप हैं और पुलिस वाले के रूप में अपने अवतार में, वह उन सभी को दंडित करेंगे जो गलत करते हैं। एक भक्त प्रेमकांत तिवारी ने कहा कि बाबा काल भैरव काशी के कोतवाल हैं और अब जब उन्होंने वर्दी भी पहन ली है, तो वह गलत काम करने वालों से सख्ती से निपटेंगे।

कल से फिर होगी बारिश, देश के कई राज्यों में यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर भारत में बारिश, बर्फबारी के कारण ठंड का प्रकोप जारी है। मौसम विभाग ने कहा है कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण 10 जनवरी के बाद से उत्तर भारत में ठिठुरन और बढ़ेगी। मौसम विज्ञान विभाग ने 11 से 14 जनवरी तक भारत के पूर्वी क्षेत्रों में बारिश और घने कोहरे की चेतावनी दी है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में कई राज्यों में बारिश का अनुमान लगाते हुए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किए हैं। वहीं, दिल्ली में बारिश की स्थिति पर भी जानकारी दी है। आपको बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कुछ दिनों में जमकर बारिश हुई है। इससे ठंड काफी बढ़ गई है।

मौसम निकाय के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने कहा कि 11 जनवरी से देश के पूर्वी क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है। यह पश्चिमी विक्षोभ आगे बढ़ेगा और देश के मध्य और पूर्वी भागों में भारी बारिश होगी।

ओडिशा में 11 और 12 जनवरी के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किए गए हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां 11 जनवरी को ओलावृष्टि होगी। जेनमणि ने इसकी जानकारी दी है। ऑरेंज अलर्ट में बेहद खराब मौसम की चेतावनी दी गई है। इससे सड़क और रेल मार्ग के बंद होने और बिजली आपूर्ति में रुकावट जैसे व्यवधानों की संभावना है।

वहीं बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के लिए 11 जनवरी से 13 जनवरी तक येलो अलर्ट जारी किया गया है। येलो अलर्ट गंभीर रूप से खराब मौसम का संकेत देती है। इस अलर्ट के अनुसार, मौसम और भी खराब हो सकता है, जिससे सामान्य गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है।

दिल्ली में बारिश में काफी कमी आएगी और 11 जनवरी से 17 जनवरी के बीच बारिश नहीं होगी क्योंकि आगे कोई पश्चिमी विक्षोभ नहीं है। मौसम विभाग ने इसका पूर्वानुमान लगाया है। रविवार को दिल्ली में बारिश की वजह से सुबह मौसम ठंडा रहा।

तमिलनाडु में कोविड प्रतिबंधों के साथ जल्लीकट्टू की इजाजत, टीकाकरण, नेगेटिव रिपोर्ट जरूरी

चेन्नई (आरएनएस)। कोविड-19 संक्रमण बढ़ने के बीच, तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को जल्लीकट्टू कार्यक्रम की अनुमति दे दी। जल्लीकट्टू तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों का एक परंपरागत खेल है जो पोंगल त्यौहार पर आयोजित कराया जाता है। इसमें बैलों से इंसानों की लड़ाई होती है। हालांकि सरकार ने पिछली बार की तरह इस बार भी राज्य भर में दर्शकों की संख्या और अनिवार्य टीकाकरण सहित कई प्रतिबंधों के साथ जल्लीकट्टू कार्यक्रम की अनुमति दी है।

राज्य सरकार द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रिया के मुताबिक, केवल दो लोगों - बैल के मालिक और एक सहायक - को प्रत्येक बैल के साथ अखाड़े के अंदर जाने की अनुमति होगी। साथ ही, जिला प्रशासन दो लोगों को पहचान पत्र प्रदान करेगा और बिना कार्ड वालों को रिंग के अंदर जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रतिभागियों के लिए पूर्ण टीकाकरण अनिवार्य होगा। इसके अलावा 48 घंटे से अधिक पुरानी नेगेटिव आरटी पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट स्वीकार्य नहीं होगी।

जहां 300 खिलाड़ियों को जल्लीकट्टू में भाग लेने की अनुमति है, वहीं 150 खिलाड़ियों को बुल रेसिंग स्पोर्ट में भाग लेने की अनुमति दी गई है, जिसे तमिल में एरुथु विदुथल कहा जाता है। साथ ही, जो अधिकारी तैयारियों की देखरेख कर रहे हैं, खेल के आयोजकों और दर्शकों को भी पूरी तरह से टीका लगाया जाना चाहिए और एक नेगेटिव रिपोर्ट पेश की जानी चाहिए। दर्शकों के लिए भी अधिकतम उपस्थिति की सीमा तय की गई है। या तो खुले मैदान की बैठने की क्षमता का 50प्रतिशत, जहां खेल होता है, या अधिकतम 150 दर्शकों, जो भी कम हो, की अनुमति दी गई है।

खेल के आयोजन स्थल के अलावा अन्य शहरों और कस्बों में रहने वाले लोगों को टेलीविजन या ऑनलाइन के माध्यम से कार्यक्रम देखने की सलाह दी गई है। सरकार ने कहा कि राज्य से पूर्व अनुमति और पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम और कोविड एसओपी के अनुपालन में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।

मुंबई एयरपोर्ट पर विमान के पास खड़े ट्रैक्टर में लगी आग, हादसा होने से टला

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई एयरपोर्ट पर उस समय बड़ा हादसा टल गया जब विमान के पास यात्रियों का सामान ले जाने वाली ट्राली को खींचने वाले ट्रैक्टर में आग लग गई। यह ट्राली विमान के बहुत नजदीक थी। गनीमत यह रही कि आग विमान तक नहीं पहुंची। आग विमान तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। ट्रैक्टर में यह आग कैसे लगी अभी फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। हादसे में किसी जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि दिन के करीब एक बजे यह घटना हुई। एयर इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इस हादसे में न तो कोई घायल हुआ है और न ही किसी को क्षति पहुंची हैं। जानकारी के अनुसार सारे यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि ट्रॉली खींचने वाले ट्रैक्टर में आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला : सुको ने जांच के लिए पूर्व जज की अध्यक्षता में बनाई कमिटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंजाब में पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व जज की अध्यक्षता में कमिटी बनाई है। केस की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से जो कारण बताओ नोटिस डीजी और पंजाब के चीफ सेक्रेटरी को भेजा गया था। अब तक केंद्र सरकार की ओर से तय समिति की ओर से कोई सुनवाई नहीं की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि यह बात सही है कि सुरक्षा में चूक हुई है। खुद पंजाब सरकार ने इस बात को स्वीकार किया है। लेकिन सवाल यह है कि यदि जांच कमिटी गठत की जाए तो वह क्या करेगी। चीफ जस्टिव एनवी रमन्ना की बेंच ने कहा कि यदि इस मामले में आप जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ ऐक्शन चाहते हैं तो फिर कोर्ट इसमें क्या कर सकता है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घटना की जांच के लिए पंजाब और केंद्र सरकार की ओर से गठित समितियों पर रोक जारी रहेगी। अदालत ने कहा कि पूर्व जज की अध्यक्षता में बनने वाली कमिटी में चंडीगढ़ के पुलिस चीफ, एनआईए के आईजी, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल भी सदस्य के तौर पर शामिल हो सकते हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। इससे पहले अदालत ने पंजाब और केंद्र सरकार की ओर से गठित जांच समितियों पर रोक का फैसला लिया था।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर कांग्रेस के खिलाफ भाजपा ने किया मौन धरना- प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा आज दिल्ली के सभी जिलों के विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस द्वारा जानबूझकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुरक्षा में हुई चूक करने के खिलाफ मौन प्रदर्शन किया गया। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी सहित प्रदेश के अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में अनुसूचित जाति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने मौन धरना किया।नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नहीं बल्कि पूरे देश का होता है और वह उस देश की धरोहर होता है जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी हर एक नागरिक की होनी चाहिए। लेकिन कांग्रेस द्वारा जानबूझकर की गई इस साजिश के कारण आज देश की जनता कांग्रेस की असलियत समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने षड्यंत्र रचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बदनाम करने की कोशिश की। पंजाब में सिखों के अंदर हिन्दू-सिख को प्रधानमंत्री के ख़िलाफ़ भड़काया लेकिन उसमें नाकामयाब रहे। आज कुर्सी और देश के बीच कुर्सी को प्राथमिकता देने वाले राहुल गांधी एवं सोनिया गांधी की सोच और कृत्य पूरा देश समझ चुका है। बिधूड़ी ने कहा कि विश्व के सबसे प्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जान को जिस तरह से कांग्रेस ने गन्दी राजनीति का उदाहरण देते हुए खतरे में डाला है इससे कांग्रेस की मानसिकता का पता चलता है और आज पंजाब सहित पूरा देश कांग्रेस के देश विरोधी सोच को जान चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की इस भूल को देश कभी माफ नहीं करेगा और आने वाले चुनाव में इसका जवाब पंजाब की जनता कांग्रेस को देगी।

प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष भूपेन्द्र गोठवाल ने बताया कि आज दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर हुए मौन धरना में प्रदेश भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा, अनुसूचित जाति मोर्चे के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद डॉ. भोला सिंह, भाजपा विधायक अनिल बाजपेयी एवं ओ पी शर्मा, श्रीमती लता सोढ़ी सहित अन्य प्रदेश पदाधिकारी सहित मोर्चे के कार्यकर्ता मौजूद थे।